विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

महिला पहलवानों के प्रति सरकार की संवादहीनता और संवेदनहीनता

भारत की राजधानी दिल्ली में जंतर मंतर पर दो सप्ताह से अधिक समय से, देश को कुश्ती में ओलंपिक और अन्य विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक दिलाने वाले पहलवान धरने पर बैठे हैं। इनमें दो महिला पहलवान विनेश फोगाट और साक्षी मलिक भी हैं । पहलवानों को परेशान करने के लिए कभी इनकी बिजली काटी गई और कभी पानी । इनकी घेराबंदी कर इनसे किसी को मिलने तक से रोका तक गया । इतने दिन बीतने के बाद भी न तो सरकार से कोई पहल हुई न ही इनकी शिकायतों पर ठोस कार्यवाही हुई।

पहलवानों की मुख्य मांग यही है कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह को गिरफ्तार करके उसे कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद से तत्काल हटाया जाए । उस पर आरोप है कि वह विगत 10 वर्षों से कई महिला पहलवानों का यौन शोषण कर चुका है एवं उन्हें मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी है । यह पहलवान, जनवरी, 2023 के प्रथम सप्ताह में भी इसी शिकायत को लेकर धरने पर बैठे थे किंतु 4 -5 दिन बाद ही जैसे-जैसे सरकार ने इन्हें समझा-बुझाकर, आश्वासन देकर इनका धरना समाप्त करवा दिया था । इनकी शिकायतों की जांच करने हेतु बॉक्सर मैरी कॉम की अध्यक्षता में समिति गठित की गई। जब 4 महीनों में भी किसी प्रकार की कोई संतोषजनक कार्यवाही उनकी शिकायतों पर नहीं हुई और न ही बृजभूषण शरण सिंह को अपने पद से हटाया गया, तो यह पुनः धरने पर बैठने पर मजबूर हुए । बृजभूषण शरण सिंह कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष होने के साथ भारतीय जनता पार्टी के छह बार से सांसद भी हैं। बृज भूषण लगातार आक्रामक मुद्रा बनाए हुए हैं और बार-बार एक ही बात कहते हैं कि यदि प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री या भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष उन्हें कहेंगे तो वह अपने पद से तत्काल इस्तीफा दे देंगे।

दिल्ली पुलिस ने तो कई दिन तक महिला पहलवानों की एफ.आई.आर. भी दर्ज नहीं की और इसके लिए भी उन्हें उच्चतम न्यायालय में जाना पड़ा। न्यायालय में सुनवाई के दौरान ही भारत के सॉलिसिटर जनरल द्वारा यह बताया गया कि दिल्ली पुलिस एफ.आई.आर. रजिस्टर करेगी। तब जाकर, एफ.आई.आर. दर्ज हुई। जिन महिला पहलवानों ने एफ.आई.आर. दर्ज कराई है उनमें नाबालिग महिला पहलवान भी है। पोक्सो एक्ट के अंतर्गत सामान्यतया, नाबालिग के द्वारा यौन शोषण की शिकायत पर तत्काल आरोपी को गिरफ्तार किया जाता है। पुलिस द्वारा यही कहा जा रहा है कि उनके द्वारा जांच की जा रही है । आश्चर्य की बात है कि अभी तक भारतीय दंड संहिता की धारा 164 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट के सामने संबंधित पहलवानों के बयान तक नहीं कराए गए हैं। देश के विभिन्न भागों से पहलवानों को युवाओं, किसानों, खाप पंचायतों का निरंतर समर्थन बढ़ता जा रहा है ।

प्रधानमंत्री की ओर से इस संबंध में अभी तक कुछ नहीं कहा गया है । प्रधानमंत्री सामान्यतया महिलाओं के सम्मान और उनके प्रति सम्वेदनशीलता बरतने की बात सदैव करते हैं । उन्होंने ;बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ; का नारा भी दिया। किन्तु इस विषय में उनकी चुप्पी परेशान करने वाली है।

जनवरी में जब पहलवान धरने पर बैठे थे उस समय उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि वे किसी भी राजनीतिक दल के प्रतिनिधि को अपने मंच पर नहीं आने देंगे, किंतु इस बार उन्होंने प्रारंभ से ही यह स्पष्ट कर दिया कि कोई राजनीतिक दल, कोई भी संघठन या कोई भी नागरिक उन्हें समर्थन देना चाहे, तो उसका स्वागत है । इसी कारण बड़े-बड़े राजनीतिक नेता जैसे प्रियंका गांधी, सतपाल मलिक, भीम आर्मी के चंद्रशेखर आजाद, आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल, आतिशी मर्लिनि, जयंत चौधरी आदि पहलवानों के समर्थन में धरना स्थल पर पहुंचे । कुछ दिनों पूर्व, रात को महिला पहलवानों को शायद बलपूर्वक धरने से उठाने की योजना थी, किंतु मध्य रात्रि को ट्वीट पर वीडियो जारी कर पहलवानों ने इस योजना पर पानी फ़ेर दिया। स्वाति मालीवाल जो कि दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष हैं और संवैधानिक पद पर हैं, ने जब पहलवानों से मिलने की कोशिश की, तो उन्हें रोका गया। पुलिस कर्मियों द्वारा जिस प्रकार दोनों हाथों और दोनों पांवों को पकड़ कर घसीट कर बलपूर्वक उन्हें पुलिस की गाड़ी में डाला गया, वह दृश्य पूरे देश ने देखा। यह देश को शर्मसार करने वाली घटना थी। हमारे देश में पहले ही महिलाएं शर्म के कारण और सामाजिक दबाव के कारण अपने साथ हुए दुर्व्यवहार एवं विशेष शारीरिक शोषण की कोई शिकायत नहीं करती हैं। यौन शोषण की घटनाओं का जिक्र करते हुए महिला पहलवानों द्वारा जो शिकायत दर्ज कराई गई, उस पर कार्रवाई करने के स्थान पर आरोपी को यह मौका दिया जा रहा है कि वह महिला पहलवानों का चरित्र हनन करे और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने करे। इस कार्य में सरकार का भी अप्रत्यक्ष रूप से उसे पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है।

सत्ताधारी दल का कोई नेता बृजभूषण शरण सिंह के विरुद्ध बोलने का साहस तक नहीं जुटा पा रहा है। भारत, जहां '**यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमन्ते तत्र देवता**' की बात कही जाती है, वहां पुलिस एवं सरकार के कर्मचारियों द्वारा जिस प्रकार की कार्यवाही की जा रही है उससे देश का प्रत्येक नागरिक स्वयं को शर्मिंदा महसूस कर रहा है । इस प्रकार की घटनाएं पहले भी हुई हैं। हरियाणा में खेल मंत्री संदीप सिंह के विरुद्ध हॉकी की कोच ने यौन शोषण की शिकायत की थी। अन्य खेलों में भी समय-समय पर खेल संघों के पदाधिकारियों एवं प्रशिक्षकों के द्वारा महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़खानी एवं उनके यौन शोषण के समाचार सामने आते रहे हैं। इन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने का ही परिणाम है कि बृजभूषण सिंह जैसा व्यक्ति और ताकतवर होते गया और 10 वर्षों से कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद पर आसीन है।

> **सत्ताधारी दल का कोई नेता बृजभूषण शरण सिंह के विरुद्ध बोलने का साहस तक नहीं जुटा पा रहा है। भारत, जहां ;यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमन्ते तत्र देवता; की बात कही जाती है, वहां पुलिस एवं सरकार के कर्मचारियों द्वारा जिस प्रकार की कार्यवाही की जा रही है उससे देश का प्रत्येक नागरिक स्वयं को शर्मिंदा महसूस कर रहा है ।**

कानून स्पष्ट है कि कार्यस्थल पर यौन शोषण अपराध है। इसके लिए प्रत्येक संगठन में आंतरिक शिकायत समिति होना आवश्यक है। इस घटना के बाद सामने आया है कि इस प्रकार की कोई समिति कुश्ती संघ में नहीं थी, जहां पर कोई महिला खिलाड़ी अपनी शिकायत प्रारंभिक रूप से दर्ज करा सकती। अधिकांश खेल संघों में यही स्थिति है। यदि कहीं समिति है भी, तो उसमें बाहरी स्वतंत्र महिला का कोई मनोनयन नहीं होने से किसी भी प्रकार की प्रभावी कार्यवाही संगठन के स्तर पर नहीं हो पाती है।

भारत में महिला खिलाड़ी बहुत कम ही हिम्मत करके आगे आती हैं। आमिर खान द्वारा बनाई गई महिला कुश्ती पर आधारित फिल्म ;दंगल; में बताया गया कि किस प्रकार पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं को किसी भी क्षेत्र में, विशेषकर कुश्ती जैसे खेल में आगे बढ़ने में कितनी कठिनाइयां आती हैं। हरियाणा में वैसे ही महिलाओं का अनुपात काफी कम है और वहां पर जिस प्रकार कुछ अखाड़ों ने अपने बलबूते पर महिला पहलवानों को तैयार किया और उन्होंने देश के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में यहां तक कि ओलंपिक प्रतियोगिताओं में भी देश के लिए पदक जीते, गौरव की बात है । अब, इस आंदोलन के बारे में कहा जा रहा है कि यह जाटों का आंदोलन है और विपक्षी दलों के द्वारा किया जा रहा है । यह सही हो सकता है कि विपक्षी दल इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने का प्रयास करें, किंतु मूल प्रश्न यही है कि उन्हें ऐसा करने का अवसर दिया तो सत्ताधारी दल के द्वारा ही जा रहा है । यदि सत्ताधारी दल के प्रमुख व्यक्ति, विशेषकर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री, जिनके निर्देश पर दिल्ली पुलिस काम करती है, तत्काल कार्यवाही करके बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार कर लिया जाता, तो संभवतः इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न नहीं होती । एक ओर पदक विजेता महिला पहलवान हैं और दूसरी और सरकार की ताकत। लगता है, सरकार ने इसे अपने अहम का प्रश्न बना लिया है और केवल एक बाहुबली अपराधिक प्रवृत्ति के सांसद को बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है।

जहां तक मुख्यधारा के मीडिया का प्रश्न है, वह तो पहले ही सत्ताधारी दल के नियंत्रण में है। अन्यथा जो प्रमुख राष्ट्रीय टी वी चैनल, छोटी-छोटी बातों पर प्रतिदिन चार-पांच घंटे बहस कराते हैं, वही 15 दिन से अधिक समय से चल रहे बृजभूषण शरण सिंह के विरुद्ध आंदोलन को उन्होंने अभी तक एक बार भी कोई स्थान नहीं दिया है। यह तो सोशल मीडिया के लोगों के परिश्रम का ही परिणाम है कि देश की जनता को पहलवानों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार की जानकारी मिल रही है। पुलिस प्रयास कर रही है कि इसकी जानकारी लोगों तक नहीं पहुंचे। उसने जिस प्रकार एक महिला पत्रकार साक्षी जोशी के साथ बदसलूकी की और कपड़े तक फाड़ दिए, वह भी देश ने देखा है । वैसे भी, मीडिया की स्वतंत्रता की दृष्टि से, भारत का स्थान निरंतर गिरता जा रहा है और अब वह विश्व के 180 देशों में 161 में नंबर पर आ गया है।

देश की सभी महिलाओं खिलाडियों को आंदोलनरत महिला पहलवानों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए कि उन्होंने ऐसे विषय पर आवाज बुलंद की है जो सामान्यतया उठाने का साहस कोई नहीं करता। इन महिलाओं ने अपनी प्रतिष्ठा और अपने करिअर दोनों को दांव पर लगा दिया है । बृजभूषण सिंह अपने टीवी साक्षात्कार में महिलाओं की पहचान तक बता रहा है। ऐसा करके वह उच्चतम न्यायालय के इन निर्देशों की भी अवहेलना कर रहा है कि यौन शोषण की पीड़ित महिला की पहचान को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। सांसद बृजभूषण सिंह अपने अपराध के प्रति शर्मिंदा अनुभव करने के बजाय आरोप लगाने वाली एवं यौन शोषण की पीड़ित महिला पहलवानों के चरित्र हनन के काम में लगा हुआ है । सरकार को यह बात ध्यान रखनी होगी कि यह आंदोलन जितना अधिक चलेगा उतना ही देश की महिलाओं, किसानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं को संगठित होने का अवसर प्रदान करेगा, जो सत्ताधारी दल के लिए राजनीतिक रूप से भी हानिकारक ही सिद्ध होगा। सरकार को चाहिए कि स्थिति के और बिगड़ने से पहले भूल सुधार करे और बृजभूषण शरण सिंह को पद से हटा कर उसे गिरफ्तार करे। बाद में सजा देने का काम न्यायालय पर छोड़ दिया जाए। कहीं ऐसा न हो कि कर्नाटक के चुनाव में व्यस्त रहने के बहाने इस बारे में कोई कार्यवाही केंद्र सरकार के स्तर पर नहीं की जाए और यही बात उनके लिए कर्नाटक चुनाव में महिला मतदाताओं को भाजपा से दूर कर दे ।

यह भी उल्लेखनीय है कि बृज भूषण शरण सिंह का यह पहला अपराध नहीं है। उसके ऊपर पहले ही लगभग 40 प्रकरण, जिनमें कई गंभीर प्रकृति के हैं, न्यायालयों में विचाराधीन हैं । एक बार प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के विरुद्ध लंबित आपराधिक प्रकरणों में विशेष न्यायालय के माध्यम से शीघ्र निर्णय कराया का जाएगा। ऐसा हो जाता तो बृज भूषण सिंह को अब तक तक किसी न किसी प्रकरण में सजा मिल चुकी होती और वह चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित हो चुका होता । ऐसा नहीं होने के कारण ही वह निर्वाचित होता रहा । उसने साक्षात्कार में यह भी कहा कि वह इन महिला पहलवानों के द्वारा नहीं चुना गया अपितु अपने क्षेत्र के मतदाताओं द्वारा चुना गया है। चुने जाने का अर्थ यह नहीं है कि वह देश के कानून से ऊपर हो गया है और उसे किसी भी प्रकार का अपराध करके बच निकलने का लाइसेंस प्राप्त हो गया है।

सरकार और पुलिस से अपेक्षा है कि वह महिला पहलवानों के 164 आई पी सी के बयान दर्ज करा के कानूनी कार्रवाई करे ताकि 15 दिन से अधिक समय से धरने पर बैठी पहलवान धरना समाप्त कर अपना अभ्यास कर सकें और देश के लिए मेडल लाने के लिए निश्चिंत होकर तैयारी कर सकें।

यदि इस प्रकरण में सरकार ने और ढिलाई की और संवादहीनता तथा संवेदनहीनता का परिचय दिया तो यह देश की महिला खिलाड़ियों को कुश्ती ही नहीं अन्य खेलों में भी आगे बढ़ने से हतोत्साहित करेगा।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई।ए।एस। अधिकारी)

स्टीकार आज जारी होगा

टोंक। भाजपा की ओर से राजस्थान में चलाये जा रहे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत टोंक में स्टिकर विमोचन का कार्यक्रम 9 मई मंगलवार को पटेल सर्किल स्थित जिला प्रमुख के आवास पर किया जायेगा।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान कीप्रदेश सदस्य एवं बीकानेर संभाग प्रभारी बीना जैन छामुनिया ने बताया कि सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, जिला प्रमुख सरोज बंसल, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराना, सभी वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधि, संगठन के सभी पदाधिकारी, सभी मंडल अध्यक्ष, कार्यकारिणी, सभी मोर्चो के जिलाध्यक्ष, पदाधिकारी, सभी पूर्व जिलाध्यक्ष, विधायक, विधायक प्रत्याशी, जिला एवं प्रदेश कार्यकारिणी पदाधिकारी, सभी स्वयंसेवी संगठन पदाधिकारी, सर्व समाज अध्यक्ष आदि मौजूद रहेगें।

गांव डाबडवास के घर में लगी आग, घरेलू सामान जलकर राख

- आग लगने के बाद गनीमत रही कि किसी की जनहानी नहीं हुई
- अधिकारियों ने ढांढस बंधाया

बहरोड़/ नीमराना। पंचायत समिति नीमराणा क्षेत्र के डाबडवास गांव में अज्ञात कारणों से गत रात्रि को करीब 12 बजे लगी आग से गरीब सेन परिवार के हजारों रुपए का घरेलू सामान सिलाई मशीन, कपडे, अनाज व चारपाई आदि जलकर राख होने की सूचना पर पंचायत समिति नीमराणा के सहायक विकास अधिकारी ओमप्रकाश निर्मल सहित प्रधान प्रतिनिधि बलवान ने मौके पर पहुंचकर पंचायत समिति की तरफ से तत्काल आर्थिक सहायता दिलाए जाने का आश्वासन दिया।

नीमराना पंचायत समिति के डाबडवास गांव के घर में आग लगने से सिलाई मशीन, कपड़े, अनाज व चारपाई आदि जलकर राख हो गई।

गौरतलब है कि नीमराना कस्बे के नजदीकी ठााम डाबडवास में सोमदत्त पुत्र राजकुमार सेन के घर में गत रात्रि को घर के सभी सदस्य सोए हुए थे और रात्रि करीब 12 बजे अज्ञात कारणों से लगी आग में घर के सदस्यों के पहनने और सोने के बिस्तर आदि एवं अनाज, चारपाई, सिलाई की मशीन व अन्य घरेलू हजारों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। परंतु गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई और आग के काफी विकराल होने से मोहल्ले में जागने से शोर-शराबे से गांव के लोगों ने जैसे तैसे करके आग पर काबू पाया। जिससे कोई बड़ी हानि होने से बचाव हुआ और इसकी जानकारी से परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने एवं आगजनी से गरीब परिवार को भारी नुकसान हो जाने से नीमराना पंचायत समिति के सहायक विकास अधिकारी ओमप्रकाश निर्मल सहित प्रधान प्रतिनिधि बलवान सिंह यादव ने मौके पर पहुंचकर परिवार को ढांढस बंधाते हुए आर्थिक सहायता राशि दिलाए जाने का आश्वासन दिया।

कांग्रेस की विचारधारा को आमजन के बीच लेकर जाना है : योगेश मिश्रा

जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के पदाधिकारियां की बैठक हुई।

अलवर । जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के जिलाध्यक्ष व बीसूका उपाध्यक्ष योगेश मिश्रा व किशनगढ़ विधायक व किसान आयोग के उपाध्यक्ष दीपचंद खेरिया जी ने किशनगढ़बास में ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेसजन, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की मीटिंग आयोजित की।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित महंगाई राहत कैंप में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सक्रियता के साथ कार्य करते हुए कांग्रेस की विचारधारा को आमजन के बीच लेकर जाना है और गांव- गांव, ढाणी -ढाणी जाकर ग्रामीण अंचल के वासियों को अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करवाकर, जनता जनार्दन को उपरोक्त कैंपों में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए जागरूक करने तथा आमजन को 10 जनकल्याणकारी योजनाओं के फायदे बताने के निर्देश दिए । विधायक दीपचंद खेरिया ने कहां की राजस्थान सरकार ने आमजन को बढ़ती महंगाई से राहत देने के लिए महंगाई राहत कैंपों का आयोजन किया है इन महंगाई राहत कैंपों में आकर आमजन को खुशियां मिल रही है, गरीब, जरूरतमंद, वंचित एवं अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्तियों के लिए ये योजनाएं वरदान साबित हो रही है । इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष संदीप पाटिल, रामप्रसाद गुर्जर, फूल चंद शर्मा, प्रीतम मेहँदीरत्ता, नारायण साईंवाल, गौरीशंकर विजय, विक्रम यादव, दशरथ सिंह राठौड़, शिवचरण गुप्ता, संदीप अठावाल, समय सिंह, विजेंद्र कुमार, दीपक चौधरी आदि मौजूद रहे।

दौसा में आज लगेंगे 18 जगहों पर राहत शिविर

दौसा । जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 9 मई को 18 महगांई राहत कैंप आयोजित किये जायेगें। जिला कलक्टर कमर चौधरी ने बताया कि 9 मई को नगर परिषद दौसा के वार्ड संख्या 12 एवं 13 में नगर पालिका बांदीकुई के वार्ड संख्या 7, 8 एवं 9 में,नगर पालिका मंडावर के वार्ड संख्या 7 में,नगर पालिका मंडावरी के वार्ड संख्या 17 एवं 18 में, नगर पालिका लालसोट के वार्ड संख्या 4 में एवं नगर पालिका महुवा के वार्ड संख्या 7 में महंगाई ,इस प्रकार जिले के शहरी क्षेत्रों में कुल 6 कैंप लगाये जायेगे।उन्होंने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में उपखंड दौसा की ग्राम पंचायत महेश्वरा खुर्द में,उपखंड बांदीकुई की ग्राम पंचायत सोडाला में,उपखंड रामगढ़ पचवारा की ग्राम पंचायत कल्लावास में, उपखंड लवाण की ग्राम पंचायत हिंगोटिया में,उपखंड सिकराय की ठााम पंचायत रानोली और बावनपाड़ा में,उपखंड सैंथल की ठााम पंचायत रामपुरा उर्फ महाराजपुरा में, उपखंड मंडावर की ग्राम पंचायत रिंदली में, उपखंड लालसोट की ग्राम पंचायत सुरतपुरा में, उपखंड बसवा की ग्राम पंचायत चांदेरा में,उपखंड नांगल राजावतान की ग्राम पंचायत नांगल राजावतान में एवं उपखंड महुवा की ग्राम पंचायत हुडला में होगा।

विधायक ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

किशनगढ़ बास। विधायक दीपचंद खेरिया और कांग्रेस जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने सोमवार को किशनगढ़ बास में बाईपास स्थित विधायक कार्यालय पर ब्लॉक, मंडल, बूथ कार्यकर्ताओ की बैठक ली। बैठक में विधायक दीपचंद खेरिया की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने खैरथल में शिवचरण गुप्ता व किशनगढ़ बास में संदीप अठावाल कोटकासिम से समय सिंह कि शहर अध्यक्ष पद पर नियुक्ति करने की घोषणा की।

विधायक खैरिया के निजी मीडिया सहायक सुनील कान्त गोल्डी ने बताया कि सोमवार को बाईपास स्थित विधायक कार्यालय पर विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक अध्यक्षों व मंडल अध्यक्षों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मंडल अध्यक्षों को बूथ स्तर पर 14 मई तक अपनी कार्यकारिणी बनाने के निर्देश दिए गए।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि आने वाले चुनाव को लेकर बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को मजबूत करने के लिए जगह-जगह पार्टी स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिससे बूथ स्तर पर कार्यकर्ता मजबूत हो सके और फिर से राजस्थान में कांठोस सरकार बने।विधायक दीपचंद खेरिया ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र किशनगढ़ बास में राज्य सरकार द्वारा बहुत बड़े-बड़े विकास कार्य करवाए गए हैं।

ब्लॉक, मंडल व बूथ स्तर पर कार्यकर्ता घर-घर जाकर प्रचार करें एवं सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए राज्य में शुरू किए गए महंगाई राहत शिविरों में आमजन से रजिस्ट्रेशन करवाने में अपनी भूमिका निभाए। बैठक में जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने विधायक दीपचंद खैरिया की अनुशंसा पर खैरथल से शहर अध्यक्ष मास्टर शिवचरण गुप्ता पुत्र दाताराम गुप्ता किशनगढ़ बास से शहर अध्यक्ष संदीप अठावाल पुत्र रमेश अठावाल व कोटकासिम शहर अध्यक्ष समय सिंह पुत्र चंदगीराम को नियुक्त किया है।

बैठक के दौरान प्रधान बद्रीप्रसाद सुमन जिला उपाध्यक्ष फूलचंद किशनगढ़ बास ब्लॉक अध्यक्ष संदीप पाटिल कोटकासिम ब्लॉक अध्यक्ष रामप्रसाद गुर्जर मांचा मंडल अध्यक्ष दशरथ सिंह राठौड़ इस्माइलपुर मंडल अध्यक्ष किशनचंद जाटव खानपुर मंडल अध्यक्ष इकबाल खान बाघोड़ा मंडल अध्यक्ष इकबाल खान भोकर मंडल अध्यक्ष भूपेश लहकरा बघाना मंडल अध्यक्ष विजेंद्र राठी बीबीरानी मंडल अध्यक्ष शेर सिंह हरसोली मंडल अध्यक्ष दीपक चौधरी इस्लाम खान मुंशी गुरुजी सद्दीक खान मंधवापुर सहित अन्य कांठोसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

18 मई को अयोजित होगा युवा उत्सव

लालसोट। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र दौसा द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के तहत प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए अमृत काल के पंच प्रण की 2047 के भारत की संकल्पना थीम पर आधारित युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन 18 मई को रावत पैलेस होटल आगरा रोड दौसा में किया जाएगा। जिला युवा अधिकारी राकेश अलोरिया ने बताया कि युवा उत्सव में 15 से 29 वर्ष की आयु के प्रतिभागी पांच प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। जिसमें कविता लेखन प्रतियोगिता पेंटिंग प्रतियोगिता मोबाइल फोटोठााफी प्रतियोगिता भाषण प्रतियोगिता एवं पारंपरिक सामूहिक नृत्य पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी अपनी कला दिखा सकते हैं। विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रशिस्त पत्र देकर सम्मानित किया जावेगा । कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक युवा अपना निशुल्क पंजीयन विभाग की वेबसाइट पर आन लाइन आवेदन करें ।

सी.एम. रूपये लौटाने की बात कह रहें है, कहां से आ रहा है उनके पास इतना पैसा : कर्नल राज्यवर्धन

- कर्नल राज्यवर्धन ने सी.एम. के बयान की प्रतिक्रिया करते हुए रूपये लौटाने की बात कहीं

जयपुर । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा कांग्रेस के विधायकों पर पैसे लौटाने और खर्च की गई राशि स्वयं के द्वारा अथवा एआईसीसी से दिलवाने वाले बयान पर पलटवार किया।

उन्होंने कहा मुख्यमंत्री गहलोत के पास इतना पैसा कहां से आ रहा है, जाहिर है वे यह पैसा अपनी तन्ख्वाह में से तो लौटाएंगे नही। राजस्थान सरकार जनता के पैसे की बर्बादी कर रही हैं और जनता को लूट रही है। इस प्रकार की बयानबाजी से जनता आहत हो रही है। आप जांच और कार्रवाई करें, और यह भी बताएं कि 25 सितंबर 2022 को शांति धारीवाल के घर विधायकों को कितने पैसे बांटे।

कर्नल राज्यवर्धन ने कहा राजस्थान में पिछले 4 सालों से लूट का खेल चल रहा है। खुले आम अवैध खनन हो रहा है और जमीनों पर कब्जा हो रहा है। सरकार ने अपने मंत्री और विधायकों को लूट की छूट दे रखी है। कुर्सी की लड़ाई के चलते राजस्थान में पिछले 5 सालों से सचिन-गहलोत, सचिन गहलोत ही हो रहा है। कर्नल राज्यवर्धन ने नगर निकाय उपचुनाव में विजयी भाजपा प्रत्याशीयों को जीत की बधाई दी । राजस्थान में गहलोत सरकार की उलटी गिनती शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कांग्रेस सिर्फ बातें करती है, धरातल पर काम नही। उन्होंने कहा कि जोधपुर में दी केरल स्टोरी फिल्म का स्टेटस लगाने पर विशेष समुदाय के युवाओं द्वारा एक दलित युवक की पिटाई करने की घटना निन्दनीय है, राजस्थान में अब फिल्म देखना और उसका स्टेटस लगाना भी अब अपराध हो गया है। यह तुष्टिकरण की राजनीति जनता बर्दाश्त नहीं करेगी।

कार की टक्कर से ऊंट मरा

बौंली । बामनवास (निस)। क्षेत्र के कोटा- लालसोट मेगा हाईवे पर भाडोती टोल प्लाजा के पास तेज गति से आ रही अनियंत्रित ब्रिजा कार ने बनास नदी से बजरी भरकर आ रही ऊंट गाड़ी को टक्कर मार दी जिससे ऊंट की मौके पर ही मौत हो गई एवं ऊंट गाड़ी चालक को गंभीर रूप से घायल अवस्था में सवाई माधोपुर जिला चिकित्सालय रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार सोमवार को सुबह कोटा लालसोट मेगा हाईवे पर भाडोती टोल प्लाजा के पास बनास नदी से बजरी भरकर आ रही ऊंट गाड़ी को सवाई माधोपुर की तरफ जा रही अनियंत्रित ब्रिजा कार ने टक्कर मार दी टक्कर इतनी तेज थी कि ऊंट की मौके पर ही मौत हो गई एवं गाड़ी व ब्रिजा कार क्षतिग्रस्त हो गई व सड़क दुर्घटना में ऊंट गाड़ी चालक मजदूर इंदर राज मीणा निवासी भारजा नदी को गंभीर रूप से घायल अवस्था में भाडोती प्राथमिक चिकित्सा के बाद जिला सवाई माधोपुर रैफर किया गया है। सूचना पाकर एंबुलेंस मौके पर पहुंची एवं घायल को चिकित्सालय पहुंचाया सड़क दुर्घटना के बाद कार में सवार सभी लोग फरार हो गए।

फरार ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक गिरफ्तार

टोंक । जिले के पीपलू थाना क्षेत्र में बजरी खनन व चोरी कर बिना रवन्ना /अधिकार पत्र के बजरी भरकर परिवहन करने वाले फरार ट्रेक्टर-ट्रॉली चालक को पीपलू पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पीपलू थानाधिकारी प्रहलाद सहाय ने बताया कि सुश्री निरमा (प्रो.) द्वारा बजरी खनन व चोरी कर बिनारवन्ना/अधिकार पत्र के बजरी भरकर परिवहन करने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक हनुमान पुत्र जवाहर उर्फ जुवारा जाट (50) साल निवासी देवपुरा थाना पीपलू जिला टोंक को एमएमडीआर एक्ट में गिरफ्तार किया गया है, जिससे प्रकरण में अनुसंधान किया जा रहा है।

राशिफल मंगलवार 9 मई, 2023

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, मूल नक्षत्र सांय 5:45 तक, सिद्ध योग रात्रि 9:16 तक, बालव करण सांय 4:09 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-मेष, गुरू-मेष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज गोपाल कृष्ण गोखले जयन्ती, श्री टैगोर जयन्ती (बंगाल) है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:05 से 10:44 तक, लाभ-अमृत 10:44 से 2:02 तक, शुभ 3:41 से 5520 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:47, सूर्यास्त 6:59

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

सिंह
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्य के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सोच-विचार बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्य योजना बनेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।